

# 62ST GENERAL CONFERENCE **SESSION**

 $\Omega$ 

जनवरी जनवर। 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 वि सोम मंग बुध बृह शुक्र शनि

2 3 4 5 6 7 9 10 11 12 13 14 16 17 18 19 20 21 23 24 25 26 27 28 8 15 22

2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 वि सोम मंग बुध बृह शुक्र शिन

अप्रैल

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 वि सोम मंग बुध बृह सुक्र सनि

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 
 18
 19
 20
 21
 22
 23

 25
 26
 27
 28
 29
 30

 वि सोम मंग बुध बृह शुक्र
 31 शनि

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 वि सोम मंग बुध बृह शुक्र शनि

जुलाई

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 वि सोम मंग बुध बृह अगस्त

3 4 5 6 7 8 9 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 वि सोम मंग बुध बृह शुक्र

सितंबर

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 16 सोम मंग बुध बृह शुक्र शनि

5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 26 27 28 29 30 31 वि सोम मंग बुध बृह

नवंबर

2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 3 24 25 26 27 28 29 30 वि सोम मंग बुध बृह शुक्र श्रीन

दिसंबर

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 सोम मंग बध बह शक



विश्वास के द्वारा धार्मिकता



दो

पॉच-दस

और उसी के समान यह दूसरी भी है: कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

क्योंकि यह कि व्यभिचार न करना, हत्या न करना;

चोरी न करना; लालच न करना;

और इन को छोड़ और कोई भी आज्ञा हो तो

सब का सारांश इस बात में पाया जाता है,

कि अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

क्योंकि सारी व्यवस्था इस एक ही बात में पूरी हो जाती है,

कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

MT.22:39-40; RM.13:9-10; GAL.5:14; NIR.20:12-17\*

### परमेश्वर प्रेम है। 4

क्योंक परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई

मोक्ष की बाइबिल योजना

उस पर विश्वास करे,

वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

YN.3:16\*; 1YN.4:9,16; YIR.31:3; ASH.41:10;54:10; SAP.3:17

# भगवान के लिए प्यार 年

रेश के लिए मुस्सि

से उत्पत्ति

किवल शास्त्र अनुसार

を受け

SHO

क्षित्र शास्त्र में

30

बाइबिल का

अध्ययन

और सुसमाचार का

उप देश के लिए

अध्ययन 7

गाइड

業

뀨없

롸

बाइ बिल

योजना

욠

समीक्ष

अन् न

जीवन

왕

淫

निर्माण

। से प्रमुख

बरणों

業

बाइबल की

<u>र्य</u>

मामल

월

अध्ययन

業

366

विषयगत

बाइबिल

एक एक-चार

बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है:)

तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख। यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे। और प्रेम यह है कि हम उस की आज्ञाओं के अनुसार चलें: यह वही आज्ञा है, जो तुम ने आरम्भ से सुनी है और तुम्हें इस पर चलना भी चाहिए। MT.22:37-38; YN.14:15\*; 2YN.1:6; NIR.20:3-11\*

तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी कि प्रतिमा बनाना, जो आकाश में, वा पृथ्वी पर, वा पृथ्वी के जल में है। तू उन को दण्डवत न करना, और न उनकी उपासना करना; क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला ईश्वर हूं, और जो मुझ से बैर रखते है, उनके बेटों, पोतों, और परपोतों को भी पितरों का दण्ड दिया करता हूं, और जो मुझ से प्रेम रखते और मेरी आज्ञाओं को मानते हैं, उन हजारों पर करूणा किया करता हं॥



तु अपने परमेश्वर का नाम व्यर्थ न लेना; क्योंकि जो यहोवा का नाम व्यर्थ ले वह उसको निर्दोष न ठहराएगा॥

# चार

तू विश्रामदिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना!

छः दिनन्ते ए प्रिम्म करके परन्तु सानवा दिस तीर परमेश्वर यहोवा के लिये विश्वमृदिन इस में न तो तू किसी भांति का काम काज कर्मा और ने तेरा बेटा, न तेरी बेटी, न तेरा दास, न तेरी दासी तेरे पुर्या, न कोई परदेशी जो तेरे फाटकों के भीतर हो यों कि दिन में यहोबा ने आकाश, और पृथ्वी, अपि समुद्र भेर जो कुछ उन में है, सब को बनुहार,

> सातवें दिम विश्राम् विश्री इस कारण यहाँवा विश्वामीयन को आशीष दी और उसको पवित्र ठहराया।

हां शीघ्र आने वाला हूं! आमीन!

## — परमेशवर की वयवसथा — Þ पडोसी के परेम

तुम पवित्र शास्त्र में ढूंढ़ते हो...सभी देशों के चेलों बनाने! PR.22:13; YN.5:39; MT.28:19-20;24:14; 2PT.3:9; PR.22:20-21

प्रकार न पान कर उत्पात शतान आरम्भ ही से पाप करता आया है ...फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई। 17N.3:4,8; (AH. 28:14-15; ASH,14:13-14; PR.12:7-9 पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई... UT.3:1-6; YKB.1:15; RM.5:12; AYB.14:10-12; BH.146:4;49:7-9 मृतित के भगवान की योजना

UT.3:15;49:10; ME.5:2; DAN.9:25; YAS.53; AYB.19:25-27 क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ...उसका नाम यीशु। ...वह अपने लोगों का उन के पापों से उद्धार करेगा। ...45H.9.6; MT.1:21-23; YN.1:14,18; 1YN.5:20: 1TM.3:16

**कलवारी - भगवान के प्यार की प्रकाशित वाक्य** .वह आप ही <u>हमारे पापों को अपनी देह पर लि</u>ए हुए क्रूस पर

वह आप हा हमार पापा का अपना दह पर तथ हुए छूप प दे<mark>खा, यह परमेश्वर का मेम्ना है</mark>) जो जगत के पाप उठा ले जाता है। YN.3:16\*:1:29: RM.8:3; IBR.2:14,17; FLP.2:6-8; 1PT.2:24 पूरा

परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल मिलाप। RM.5:8-10;6:23; 2KUR.5:19-21; RM.8:31-34; IBR.4:14-16;10:19

विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से वुन्हरा उद्धार हुआ विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से वुन्हरा उद्धार हुआ विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा |AF1:7:2:8-9; RM.3:24-26;5:1-2;1:17; TEET.2:11;3:4-7; 2KUR.13:14 यीशु मसीह हमारे महायाजक

तो पिता के पास हमारा एक सहायक है।)
YN.14.6; TIM,25-5; PRA 4;12; BR.8:1-2; TYN,2:1-2;1:9
मन फिराओ और लीट आओ के तुम्हारे पाप मिटाए जाएं
NEET.28:13; PRA 3:19; ASH.43:25-25; BH.51:1;32:5; MI.7:18-19
तब पवित्रस्थान शुद्ध किया जाएगा॥ (1844\* साल)

DAN.7:9-10,13; IBR.9:24; LV.16:33; DAN.8:14\*; IBR.9:1-12 सातवें दिन एडवेंटिस्ट चर्च

जी(परमेश्वर की आजाओ)को मानते. (यीशु पर विश्वास रखते हैं. और जो(यीशु की गवाही)देने पर स्थिर हैं। PR.11:19; IBR.12:22; ASH.2:2-3:51:4,7; PR.12:17;14:12:22:14

कानून और सुसमाचार

में अपनी वाचा न तोडूंगा... NIR 20:3-17"; WAV 4:13; BH.89:34; 11:7-8; 119:89, 142 में ने अपने पिता की आज्ञाओं को माना है... ASH 42:21; BH.40:7-8; MT.5-17; YN.15:10; 14:15-17; 3:7 (हे कि में अपनी व्यवस्थाओं को उनके हृदय पर लिखूंगा। YAH.36:26-27; IBR.10:15-16; 2KUR.3:2-3; YN.13:35; 1YN.5:2-3

विश्राम का दिन - भगवान प्रजापति के स्मारक मेरे विश्रामदिनों को पवित्र। मैं तुम्हारा परमेश्वर यहाँवा हूँ। UT.2:1-3; IBR.4:4,9-10; YAH.20:20; ASH.58:13-14;66:22-23 तीन स्वर्गदूतों 'दुनिया के लिए संदेश

के को समया उसका भजन करो, जिस ने स्वर्ग और पृथ्वी!

(PR.14.6-12.18.4) SAP. 3.4; YAH.22.26; YAS.52-11; ZKUR.6.17-18

यहांवा ही परमेश्वर है। उसी ने हम को बनाया!

ASH.56.6-7; YN.17-21-22;10-16; BH.100.3; IAF.4:5-6; BH.96:10

(Deg दिनों के संकेत

तो कुछ सच्चाई है, न कुछ करूणा और न कुछ परमेश्वर का ज्ञान..

HOS.4-1-2; ASH.24-5; MT.24-12; ME.7-24; ZIM.3:1-5; YYN.2:15-17

युद्ध, अकाल, महामारी, और भुकंप...

YIR.51-46;50:22; Z[1.15-5-7; K.21:9-11; ASH.24:19-20

क्योंकि सुठे मसीह और सुठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे...

1TM.4-1; MT.24-24;72:1-23; ASH.8-20; KUL.2:8; 2PT.2:1

पाप का पुरुष्ण... पशु को छाप..

2TH.2:1-4,7; DAN.7-25; PR.3:5-18; DAN.11:32-36; 1TH.5:3

क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा...

क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा... MT.24:15-22; DAN.12:1; YIR.30:7; ASH.26:20-21;13:9 दूसरा मसीह के आ रहा है

ASH\_40:10; HAB.3:3-4; PR.14:14;1:7; MT.24:30-31; BH.50:5 जीवन के पुनरुत्थान...<mark>पह तो पहिला मुक्कोत्थान है।</mark> 2TM.2:11; YN.11:26;5:25-29; DAN.12:2; PR.20:6.5; ASH.24:22 FLP.3:20-21; 1KUR.15:51-55; 1TH.4:16-17; ASH.25:8-9;26:2;62:12

भगवान की अमर प्रेम

कि देख, मैं सब कुछ नया कर देता हूं <mark>ालूय्याह! हमेशा के लिए हमारे भगवान की जय! आमीन!</mark> PR.21:2-6;22:1-5; DAN.12:3;7:27; PR.19:6;5:13;7:12

तू अपने पिता और अपनी माता का आदर करना, जिस से जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उस में तू बहुत दिन तक रहने पाए॥

तू खून न करना॥

## सात

तु व्यभिचार न करना॥

## आठ

तू चोरी न करना॥



तू किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी न देना॥

तू किसी के घर का लालच न करना; न तो किसी की स्त्री का लालच करना, और न किसी के दास-दासी, वा बैल गदहें का, न किसी की किसी वस्तु का लालच करना॥

आमीन! हे प्रभु यीशु आ!

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ होती रहे। आमीन।

तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना॥

